

टीएमयू फार्मेसी को इंटरनेशनल ओरल रिसर्च पेपर प्रजेंटेशन में सेकेंड अवार्ड

शाह टाइम्स व्यूरो

मुदाबाद। तीर्थकर महावीर गृहनिवासियों, मुदाबाद के फार्मेसी कालेज के बीच फार्मेसी कुर्चुर सेमेस्टर वे छात्र संदेश सफर ने फार्मास्युटिकल विज्ञान के नवाचारों के बारे में चर्चा की। फार्मास्युटिकल विज्ञान और एमाई एमाई के भविष्य थीम पर आयोजित सेमिनार में टीएमयू फार्मेसी कालेज के 16 स्टूडेंट्स और 02 प्रोफेसर्स ने सिपकॉन-2025 में ओरल रिसर्च पेपर प्रजेंटेशन में दूसरा स्पॉकर आप्स का काम किया। उन्होंने डॉ. आशोक सिंह के मार्गदर्शन में गठिया वातार-रूमरेंड आर्थरिटिस की जटिलताओं के प्रबंधन के लिए और एमाई के संग-संग 69 अफलाइन और 4 अनलाइन पोस्टर प्रस्तुत किए गए। उद्घाटन सभा में उत्तराखण्ड में तकनीकी शिक्षा के सचिव डॉ. रंजीत कुमार सिंह और फार्मडी के स्टूडेंट्स ने भी मलेशीया, भूमधेय, अल्जाइमर, टीवी

सरीखी बीमारियों के उपचार में कृतिम बुद्धिमता और फार्मास्युटिकल विज्ञान के नवाचारों के बारे में चर्चा की। फार्मास्युटिकल विज्ञान और एमाई के भविष्य थीम पर आयोजित सेमिनार में टीएमयू फार्मेसी कालेज के 16 स्टूडेंट्स और 02 प्रोफेसर्स ने सिपकॉन-2025 में ओरल रिसर्च पेपर प्रजेंटेशन की। सेमिनार में देश के विभिन्न प्रांतों के प्रतिभागियों ने 59 अफलाइन और 35 अनलाइन आराल रिसर्च पेपर प्रजेंटेशन के संग-संग 69 अफलाइन और 4 अनलाइन पोस्टर प्रस्तुत किए गए। उद्घाटन सभा में उत्तराखण्ड में तकनीकी शिक्षा के सचिव डॉ. रंजीत कुमार सिंह और फार्मडी के स्टूडेंट्स ने भी

मलेशीया, भूमधेय, अल्जाइमर, टीवी



एक नजर

टिमिट द्वारा सशक्त 'कैपेबल' सामाजिक गतिविधि का आयोजन



आप्रम, डबल फाटक में आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य वहाँ निवास करने वाले बच्चों के साथ स्नेहपूर्ण सवाद स्थापित करना, उन्हें आत्मविश्वास देना और विद्यार्थियों में सामाजिक जिम्मेदारी की भावना का विकास करना रहा। इस सामाजिक गतिविधि में बीबीए (अंतर्राष्ट्रीय व्यापार एवं उद्यमिता) द्वारा एवं चर्चुर्थ सेम्स्टर के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कने भाग लिया। विद्यार्थियों ने बच्चों का साथ शोषणिक खेल, प्रेणादायक वातानालप, गीत-संगीत एवं रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से समाज विताया। कार्यक्रम के द्वारा बच्चों के उपयोगी उत्तरावर व समाजी प्रदान की गई। इस पहले ने बच्चों के चेहरों पर मुस्कान बिखेरी और विद्यार्थियों के हृदयों पर मानवीय संवेदनों से भर दिया। कार्यक्रम के समाप्तन पर टिमिट के लिए चर्चित एवं प्रयासों के विद्यार्थियों ने विद्यार्थियों को गतिविधि का आधार बनाया। उन्होंने एक विद्यार्थियों के निर्माण परियोजनाओं में तक्ष्यों के साथ प्रतिक्रिया दिए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों की गतिविधि पर विशेष ध्यान दे अधिकर। बैठक में राजकीय क्षेत्र परिवर्ष पर एवं रोडों का सुदृढ़ीय संवर्धन, कस्तुरबा गांधी विताया का विद्यालय टाकुरद्वारा में प्रशासनिक भवन व बालाका छात्रावास निर्माण संबंधी, राजकीय

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में 50 लाख से अधिक निर्माण परियोजनाओं की बैठक आयोजित

लक्ष्यों के सापेक्ष प्रगति सुनिश्चित की जाए, निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दें अधिकारी

शाह टाइम्स व्यूरो मुदाबाद। तीर्थकर महावीर विश्वविद्यालय, मुदाबाद के प्रबंधन संचालन के अंतर्गत एक कार्यक्रम मुदाबाद स्थित वाल



भाजपा की सरकार में ही होता है सबका साथ सबका विकास और सबका विश्वास: भूपेंद्र चौधरी

कांठ (शाह टाइम्स) भारतीय जनता पार्टी की सरकार में ही सबका साथ सबका विकास और सका विश्वास मायने रखता है उक्त विचार भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अधिकारी भूपेंद्र चौधरी भूमिका ने भाजपा नेता मुकेश माहेश्वरी के प्रतिष्ठान के विद्यार्थियों को अधिकारीय विद्यार्थियों के संस्थानों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों की गतिविधि पर विशेष ध्यान दे अधिकर। बैठक में राजकीय क्षेत्र परिवर्ष पर एवं रोडों का सुदृढ़ीय संवर्धन, कस्तुरबा गांधी विताया का विद्यालय टाकुरद्वारा में प्रशासनिक भवन व बालाका छात्रावास निर्माण संबंधी, राजकीय

कार्यक्रम के विद्यार्थियों को समझे उसके बाद विकास करने की आधार पर विकास करने की आवश्यकता है। उन्होंने सभी समाज की लोगों को भयमुक्त वातावरण में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कानून संसोचन करने का मतलब विद्यार्थियों को नुकसान पहुंचाना नहीं है बल्कि वह जलतरमपर लोगों को सही तरीके से मदर पहुंचाने का एक तरीका होता है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार जाति या धर्म के आधार पर विकास नहीं करती बल्कि सबको बराबर सम्मान और बराबर संविधान का काम करती है। उन्होंने कहा कि कानून संसोचन करने का मतलब विद्यार्थियों को नुकसान पहुंचाना नहीं है। उपर्युक्त कानून की जरूरत नहीं है। उपर्युक्त कानून की जरूरत नहीं है।

विवेकियों को समझे उसके बाद विकास करने की आवश्यकता है। उन्होंने सभी समाज के लोगों को भयमुक्त वातावरण में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को नुकसान पहुंचाना नहीं है। उपर्युक्त कानून की जरूरत नहीं है।

विवेकियों को समझे उसके बाद विकास करने की आवश्यकता है। उन्होंने सभी समाज के लोगों को भयमुक्त वातावरण में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को नुकसान पहुंचाना नहीं है। उपर्युक्त कानून की जरूरत नहीं है।

विवेकियों को समझे उसके बाद विकास करने की आवश्यकता है। उन्होंने सभी समाज के लोगों को भयमुक्त वातावरण में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को नुकसान पहुंचाना नहीं है। उपर्युक्त कानून की जरूरत नहीं है।

विवेकियों को समझे उसके बाद विकास करने की आवश्यकता है। उन्होंने सभी समाज के लोगों को भयमुक्त वातावरण में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को नुकसान पहुंचाना नहीं है। उपर्युक्त कानून की जरूरत नहीं है।

विवेकियों को समझे उसके बाद विकास करने की आवश्यकता है। उन्होंने सभी समाज के लोगों को भयमुक्त वातावरण में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को नुकसान पहुंचाना नहीं है। उपर्युक्त कानून की जरूरत नहीं है।

विवेकियों को समझे उसके बाद विकास करने की आवश्यकता है। उन्होंने सभी समाज के लोगों को भयमुक्त वातावरण में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को नुकसान पहुंचाना नहीं है। उपर्युक्त कानून की जरूरत नहीं है।

विवेकियों को समझे उसके बाद विकास करने की आवश्यकता है। उन्होंने सभी समाज के लोगों को भयमुक्त वातावरण में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को नुकसान पहुंचाना नहीं है। उपर्युक्त कानून की जरूरत नहीं है।

विवेकियों को समझे उसके बाद विकास करने की आवश्यकता है। उन्होंने सभी समाज के लोगों को भयमुक्त वातावरण में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को नुकसान पहुंचाना नहीं है। उपर्युक्त कानून की जरूरत नहीं है।

विवेकियों को समझे उसके बाद विकास करने की आवश्यकता है। उन्होंने सभी समाज के लोगों को भयमुक्त वातावरण में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को नुकसान पहुंचाना नहीं है। उपर्युक्त कानून की जरूरत नहीं है।

विवेकियों को समझे उसके बाद विकास करने की आवश्यकता है। उन्होंने सभी समाज के लोगों को भयमुक्त वातावरण में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को नुकसान पहुंचाना नहीं है। उपर्युक्त कानून की जरूरत नहीं है।

विवेकियों को समझे उसके बाद विकास करने की आवश्यकता है। उन्होंने सभी समाज के लोगों को भयमुक्त वातावरण में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को नुकसान पहुंचाना नहीं है। उपर्युक्त कानून की जरूरत नहीं है।

विवेकियों को समझे उसके बाद विकास करने की आवश्यकता है। उन्होंने सभी समाज के लोगों को भयमुक्त वातावरण में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को नुकसान पहुंचाना नहीं है। उपर्युक्त कानून की जरूरत नहीं है।

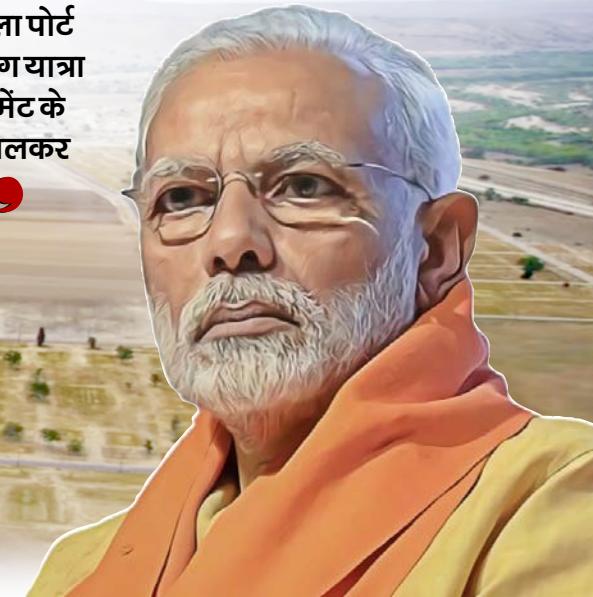
विवेकियों को समझे उसके बाद विकास करने की आवश्यकता है। उन्होंने सभी समाज के लोगों को भयमुक्त वातावरण में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को नुकसान पहुंचाना नहीं है। उपर्युक्त कानून की जरूरत नहीं है।

विवेकियों को समझे उसके बाद विकास करने की आवश्यकता है। उन्होंने सभी समाज के लोगों को भयमुक्त वातावरण में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को नुकसान पहुंचाना नहीं है। उपर्युक्त कानून की जरूरत नहीं है।

विवेकियों को समझे उसके बाद विकास करने की आवश्यकता है। उन्होंने सभी समाज के लोगों को भयमुक्त वातावरण में जानकारी दी। उ



बांग्लादेश ने भारत के कोलकाता से सिर्फ 200 किमी दूर मोंगला पोर्ट के विस्तार की जिम्मेदारी चीन को दी है, यूनुस की हालिया बीजिंग यात्रा के दौरान इस डील पर मुहर लगी थी। चीन ने इस पोर्ट के डेवलपमेंट के लिए करीब 3,300 करोड़ रुपये देने का वादा किया है। पाक से मिलकर बांग्लादेश की ये सैन्य गतिविधियां भारत की चिंता बढ़ा रही हैं।

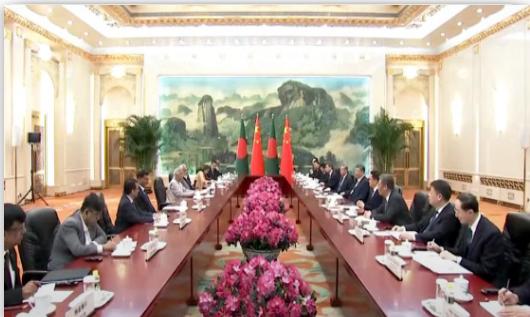


बांग्लादेश ने कोलकाता के पास चीन को सौंपा पोर्ट, भारत चिंतित

C M Y K

दाका। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार डॉ. महम्मद युसुप का भारत के विरोधी खेल जारी है। BIMSTEC समिट में पीएम मोदी से मुलाकात के बाद भी यूनुस सरकार ने चीन और पाकिस्तान को एकान्तिक जगहों पर दोनों पार्टीजन को सौंप दिए हैं। इनमें एक पोर्ट और एयरबेस शामिल है। बांग्लादेश ने भारत के कोलकाता से सिर्फ 200 किमी दूर मोंगला पोर्ट के विस्तार की जिम्मेदारी चीन को दी है। यूनुस की हालिया बीजिंग यात्रा के दौरान यूनुस ने यूनुस के डेवलपमेंट के लिए 400 मिलियन डॉलर (करीब 3,300 करोड़ रुपये) देने का वादा किया है। वहाँ, बांग्लादेशी सरकार लालमोनिहाट जिले में एक सैन्य एयरबेस बना रहा है, जो भारत के चिकन नक्षे यांत्रिकी की सिलिगुड़ी कॉरिडोर से सिर्फ 120 किमी दूर है। इस एयरबेस के लिए बांग्लादेशी पायलटों को पाकिस्तान भेजा जा रहा है ताकि

वे पाकिस्तानी JF-17 फाइटर जेट्स उड़ाना सीख सकें। 27 मार्च को पांच अधिकारियों को देनिंग के लिए भेजा भी गया। चीन पहले ही बांग्लादेश को पांडुब्बी दे चुका है और अब वह बांग्लादेश की खाड़ी में अपनी मौजूदगी और मजबूत कर रहा है। वहाँ, पाकिस्तान के साथ मिलकर बांग्लादेश की ए सैन्य गतिविधियां भारत की चिंता बढ़ा रही हैं। बांग्लादेश में शेष हसीनी की सरकार गिरने से पहले ही विपक्षी यांत्रवाचन ने इंडिया आरट कैपेंशन शुरू कर दिया था। अब यूनुस को पार्टी NCP खुले अंतर विरोधी बांग्लादेश के दौरान कर रहा है। पार्टी के स्थानी दिवस पर पाकिस्तान के हांग कमिशनर को बुलाना भी इसी एजेंसे का हिस्सा माना जा रहा है। यूनुस ने चीन यात्रा के दौरान भारत के पूर्वोत्तर राज्यों को लैंड लॉट्स (चारों ओर से जलान से घिरे) कहा और कहा कि बांग्लादेश उनके लिए समुद्र तक पहुंच का इकलौता रास्ता है। इस बयान पर पूर्वोत्तर भारत के



नेताओं ने तीक्ष्ण प्रतिक्रिया दी और कुछ ने यहाँ तक कहा कि बांग्लादेश को तोड़ देना चाहिए। विटांग यूनिवर्सिटी में अंतर्राष्ट्रीय मामलों के खिलाफ यात्रा के लिए भारत के दौरान भारत के दौरान किसी बड़े पड़ोसी देश से दुश्मनी रखकर फायदा नहीं हो सकता। सरकार को चाहिए कि वह भारत के दौरान इंकारेड और फ्रेंडर डॉ. फारिदुल आलम ने कहा कि आज

अंटार्कटिका में चीन ने नए ऐडियो टेलीस्कोप का किया अनावरण

बीजिंग। चीन ने वायुमंडलीय क्षेत्र में अपनी ताकत को और मजबूत करने के लिए अहम कदम उठाया है। इसके तहत चीन ने अंटार्कटिका में एक नई दूरबीन का अनावरण किया है, जिससे इस बर्फीले और संसाधन से भरे पूरे महाद्वीप पर उसकी उपस्थिति और भी मजबूत हो गई है। बता वें कि इस दूरबीन का अनावरण था। गार्जेस अंटार्कटिक आई है, और यह 3.2 मीटर एपर्चर वाली रेडियो/मिलीमीटर-वेन्यू दूरबीन है। इसे चीन के श्री गार्जेस यूनिवर्सिटी (सीटीजीयू) और शांघाई नार्मल यूनिवर्सिटी (एसएचएनयू) द्वारा विषय में जारी विज्ञानी में बहार दिया था। इसे है कि चीन का यह कदम अंटार्कटिक में अपनी क्षमताओं को और मजबूत करने की दिशा में एक महावर्षपूर्ण क्रम है। यह दूरबीन अंटार्कटिका को प्राचीन और शुद्ध ब्राह्मणीय में अनुसंधान दूरी के लिए सुविधाओं से लैस है। गोरतलव कहते हैं कि वर्तमान में अंटार्कटिक रिजिव के रूप में नामित करते हैं और यहाँ वायांगिक्य संसाधन निष्कर्षण को प्रतिबंधित करती है।



मद केरोगी, जिससे ब्राह्मणीय बटनाओं का अध्ययन करने में सहायता मिलती। चीन अंटार्कटिका में अपने वैज्ञानिक अनुसंधान को लागतार बढ़ा रहा है। तीन साल पहले 2022 में संसद कार्यसित किया गया है। इसे विषय में जारी विज्ञानी में बहार दिया था। इसे है कि चीन का यह कदम अंटार्कटिक में अपनी क्षमताओं को और मजबूत करने की दिशा में एक महावर्षपूर्ण क्रम है। यह दूरबीन अंटार्कटिका को प्राचीन और शुद्ध ब्राह्मणीय में अनुसंधान और सदियों में 30 सदस्यों को साधारक स्वरूप प्रदान करने के लिए सुविधाओं से लैस है। गोरतलव कहते हैं कि वर्तमान में अंटार्कटिका में 70 स्थानीय अनुसंधान स्टेशन हैं, जो पृथ्वी के विभिन्न बटनाओं का अध्ययन करने में सहायता मिलती।

चीन अंटार्कटिका के लागतार बढ़ा रहा है। तीन साल पहले 2022 में उसने अपना पांचवां विशाल अनुसंधान स्टेशन शुरू किया था। इसे है कि चीन ने 1983 में अंटार्कटिक सर्विस पर हस्ताक्षर किए थे, जो अंटार्कटिका को एक प्राकृतिक रिजिव के रूप में नामित करते हैं और यहाँ वायांगिक्य संसाधन निष्कर्षण को प्रतिबंधित करती है।



रियाद। सऊदी अरब ने बिना रियोटर्स के मुताबिक, यात्रियों से बालों की रोकने के लिए भारत और पाकिस्तान समेत 14 देशों के बीजा नियमों का अनुसर लगाया है। ये रियोटर्स के मध्य तक बैन रहे हैं। सऊदी अधिकारियों ने कहा कि जिन लोगों के पास उमरा का बीजा है वे 13 अंडल तक सऊदी अरब पहुंच सकते हैं। इस साल हज अंडल तक बैन रहे हैं।

इसी को रोकने के लिए सऊदी सरकार ने यह फैसला लिया है। बिना रियोटर्स के दूरबीन जात्रा करने से अधिकारियों को ब्रह्मदत्तों को अंदाजा नहीं लगाता है। ये अंदाज और गर्मी भी। भीड़ का नियंत्रण करने में भी अधिकारियों को दिक्कत आती है। गैर-कानूनी तौर पर काम कर रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि अवधि कामकाज भी एक बड़ा कारण है। कुछ विदेशी नागरिक व्यापार या

पारिवारिक बीजा का इस्लेमाल कर सऊदी अब में गैर-कानूनी रूप से काम कर रहे थे, जिससे बीजा नियमों का उल्लंगन हो रहा था और मजबूत लागत है। ये अंदाज और गर्मी की बीजा नहीं है। इसके बाद रियोटर्स के लिए सऊदी अधिकारियों ने दसवाह के दूरबीन को नियंत्रण किया है। इसमें हज और इंटर्नेट पर श्रद्धालुओं को बीजा पाइने से बचाया गया है। इसमें हज के लिए 2025 के दूरबीन को प्रतिवर्त इंटर्नेट के मुताबिक सभी अधिकारियों ने दसवाह के दूरबीन को बीजा पाइने से बचाया गया है। इसमें हज के लिए 2025 के दूरबीन को प्रतिवर्त इंटर्नेट के मुताबिक सभी अधिकारियों ने दसवाह के दूरबीन को बीजा पाइने से बचाया गया है।

भारत और पाकिस्तान समेत 14 देशों का बीजा रोका, नए नियम तोड़ने पर पांच साल का एंट्री बैन, जिनके पास उमरा का बीजा है वे 13 अप्रैल तक पहुंच सकते हैं

98 भारतीय भी शामिल थे। सऊदी अब में हज के लिए एक कोटा प्रणाली लागू है, जिसके तहत हांग देश के तथा संघीय में हज यात्रियों को बीजा करने की अनुमति दी जाती है। इंडोनेशिया का कोटा साथ से ज्यादा है। इसके बाद रियोटर्स के लिए 2025 उमरा बीजा जारी करने की अंतिम तारीख होगी। इसे है कि चीन का यह कदम अंटार्कटिक में अपनी क्षमताओं को और मजबूत करने की दिशा में एक महावर्षपूर्ण क्रम है। यह दूरबीन अंटार्कटिका को प्राचीन और शुद्ध ब्राह्मणीय में अनुसंधान और सदियों में 30 सदस्यों को साधारक स्वरूप प्रदान करने के लिए सुविधाओं से लैस है। गोरतलव कहते हैं कि वर्तमान में अंटार्कटिका में 70 स्थानीय अनुसंधान स्टेशन हैं, जो पृथ्वी के विभिन्न बटनाओं का अध्ययन करने में सहायता मिलती।

रियोटर्स के लिए 2024 से 9 सितंबर 2024 तक किया गया पिछले साल हज यात्रा में शामिल होने 1,75,000 भारतीय मजबूत पहुंचे थे। 98 श्रद्धालु भी और गर्मी की बीजा से लैस है। इन्होंने को हज यात्रा पर गर्मी की बीजा नहीं होना चाहिए। इसे है कि चीन का यह कदम अंटार्कटिक में अपनी क्षमताओं को और मजबूत करने की दिशा में एक महावर्षपूर्ण क्रम है। यह दूरबीन अंटार्कटिका को प्राचीन और शुद्ध ब्राह्मणीय में अनुसंधान और सदियों में 30 सदस्यों को साधारक स्वरूप प्रदान करने के लिए सुविधाओं से लैस है। गोरतलव कहते हैं कि वर्तमान में अंटार्कटिका में 70 स्थानीय अनुसंधान स्टेशन हैं, जो पृथ्वी के विभिन्न बटनाओं का अध्ययन करने में सहायता मिलती।

भी राजनीतिक विवाद से जुड़ा नहीं है, बल्कि यह हज यात्रा को सुरक्षित और बेहतर ढंग से आयोजित करने के लिए लिया गया है। हर साल हजारों यात्री ऐसे होते हैं, जिनके पास हज के लिए बीजा नहीं होता है। पैसों की कमी वाले तरीके से इस तरह के विवादों के बीच बालों की गतिविधि के लिए बीजा नहीं होता है। श्रीमती मुर्मू की पुर्णांग यात्रा 27 बीजों के अंतराल के बाद हो रही है तथा ऐसे समय हो रही है जब भारत और पुर्णांग यात्रा पर रियोटर्स की पुर्णांग यात्रा के लिए योग्य यात्रानी लिया जाता है। श्रीमती मुर्मू की पुर्णांग यात्रा रियोटर्स की साथीया यात्रा की अंतिम रियोटर्स के लिए 2025 तक आयोजित की जाएगी। नारायणन ने की थी। श्रीमती मुर्मू की पुर्णांग यात्रा की अंतिम रियोटर्स की साथीया यात्रा की अंतिम रियोटर्स की साथी